Need to release funds for irrigation projects under Accelerated Irrigation Benefit Programme (AIBP) to the State of Odisha

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम (ओडिशा): उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान हमारे राज्य ओडिशा के एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिलाना चाहती हूं। AIBP योजना के तहत मेजर और मीडियम जो इरिगेशन के प्रोजेक्ट्स हैं, उनके लिए ओडिशा की केन्द्रीय सहायता लम्बे समय से बकाया है। इसकी वजह से बहुत सारे इरिगेशन प्रोजेक्ट्स का काम अधूरा पड़ा है। इस संबंध में हमारे माननीय मुख्य मंत्री श्री नवीन पटनायक जी ने जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री सुश्री उमा भारती को वर्ष 2014-15 की बकाया राशि को जारी करने के लिए 5 फरवरी, 2015 को पत्र लिखकर अनुरोध किया था। इतना ही नहीं, बल्कि सेंट्रल वाटर कमीशन ने भी सिफारिश की थी कि सुबर्नरेखा, कानुपुर, लोअर इंद्रा, अपर इन्द्रावती एक्सटेंशन, रेत, रेंगाली, आनंदरपुर बैराज और रुकुरा इरिगेशन प्रोजेक्ट्स के लिए फंड रिलीज किया जाना चाहिए, मगर अभी तक इसे रिलीज़ नहीं किया गया है।

हमारी राज्य सरकार इन प्रोजेक्ट्स पर वर्ष 2012-13 में 852.77 करोड़ और वर्ष 2013-14 में 856.29 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी है। अभी तक केन्द्र सरकार ने सिर्फ 14.8175 करोड़ रुपये ही रिलीज़ किए हैं। 624.19 करोड़ रुपये की शेष सहायता राशि अभी तक रिलीज़ नहीं हुई है।

उपसभापति महोदय, मैं केन्द्र सरकार से यह अनुरोध करती हूं कि इन सारे प्रोजेक्ट्स को पूरा करने के लिए केन्द्रीय सहायता की बकाया राशि ओडिशा को जल्द से जल्द रिलीज़ की जाए और राज्य पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ से उसे बचाया जाए, धन्यवाद।

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा): उपसभापति महोदय, मैं यह बताना चाहता हूं कि सेंट्रल वाटर कमीशन द्वारा रिंकमड करने के बाद भी पैसा रिलीज करने में देरी हो रही है। मैं केन्द्र सरकार से रिक्वेस्ट करना चाहूंगा कि जल्द से जल्द इस धनराशि को रिलीज कर दिया जाए।

THE MINISTER OF URBAN DEVELOPMENT; THE MINISTER OF HOUSING AND URBAN POVERTY ALLEVIATION AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI M. VENKAIAH NAIDU): Sir, I will convey it to the concerned Minister about the concerns expressed by the hon. Members of Odisha.

श्री रणविजय सिंह जूदेव (छत्तीसगढ़): महोदय, मैं माननीय सदस्य के वक्तव्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SHRI D.P. TRIPATHI (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That's good. The concerned Minister will confront it. Don't worry. It is a good thing. Now, Shri Ahamed Hassan.